कप्तान हार्दिक ने ड्रेसिंग रूम में बढ़ाया एमआई का हौसला

Page-04

tv भारतवर्ष
सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

शक्ति मोहन ने शादी और रिश्तों पर खुलकर रखी बात

Page-05

नोएडा में मजदूरों का प्रदर्शन बेकाबू

दिल्ली बॉर्डर पर लंबा जाम

- वेतन वृद्धि की मांग को लेकर मजदूरों का प्रदर्शन हिंसक हुआ, NH-9 जाम और कई वाहन क्षतिग्रस्त
- पुलिस तैनाती के बाद स्थिति नियंत्रण में, अफवाह फैलाने वालों पर सख्त कार्रवाई शुरू

नोएडा और दिल्ली-नोएडा सीमा पर मजदूरों का वेतन बढ़ाने को लेकर शुरू हुआ प्रदर्शन सोमवार को अचानक उग्र हो गया, जिससे पूरे क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। सुबह से शुरू हुआ यह विरोध धीरे-धीरे हिंसक हो गया और देखते ही देखते दिल्ली जाने वाले प्रमुख मार्गों पर लंबा जाम लग गया। हजारों लोग घंटों तक सड़क पर फंसे रहे, जिससे आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ। दिल्ली-नोएडा बॉर्डर पर कई किलोमीटर तक वाहनों की कतारें देखी गईं और लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।सेक्टर-62 और सेक्टर-84 समेत कई औद्योगिक इलाकों में बड़ी संख्या में कर्मचारी एकत्र हुए और लंबे समय से लंबित वेतन संशोधन की मांग को लेकर प्रदर्शन शुरू किया। प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रीय राजमार्ग-9 को जाम कर दिया, जिससे यातायात पूरी तरह बाधित हो गया। हालात उस समय और बिगड़ गए जब कुछ प्रदर्शनकारी हिंसक हो गए और उन्होंने तोड़फोड़, पथराव और वाहनों में आगजनी शुरू कर दी। कई वाहनों को नुकसान पहुंचा और आसपास के इलाकों में दहशत का माहौल बन गया।प्रदर्शन में शामिल एक महिला कर्मचारी लक्ष्मी ने बताया कि बढ़ती महंगाई के बीच कम वेतन में गुजारा करना बेहद मुश्किल हो गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब उन्होंने शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांगें रखीं, तो उनके साथ मारपीट की गई। उन्होंने कहा कि कम से कम 20,000 रुपये मासिक वेतन की मांग जायज है और जब तक इसे पूरा नहीं किया जाएगा, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। अन्य कर्मचारियों ने भी प्रबंधन पर उपेक्षा का आरोप लगाते हुए कहा कि उनकी समस्याओं को लंबे समय से नजरअंदाज किया जा रहा है।स्थिति को संभालने के लिए गौतम बुद्ध नगर के औद्योगिक क्षेत्रों में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिस ने बताया कि हालात अब नियंत्रण में हैं और संवेदनशील इलाकों में लगातार निगरानी रखी जा रही है। अधिकारियों ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और शांति बनाए रखने की अपील की है। प्रशासन ने यह भी संकेत दिया है कि दोषियों की पहचान कर सख्त कार्रवाई की जाएगी।हिंसक घटनाओं के बीच सोशल मीडिया पर अफवाहें फैलाने के आरोप में दो हैंडल के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस का कहना है कि भ्रामक जानकारी फैलाकर माहौल खराब करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। साथ ही, प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया कि जल्द ही स्थिति सामान्य कर दी जाएगी और यातायात को सुचारू रूप से बहाल किया जाएगा।

पंजाब में बेअदबी पर सख्त कानून,संशोधन विधेयक सर्वसम्मति से पारित

पंजाब विधानसभा के विशेष सत्र में मुख्यमंत्री भगवंत मान ने 'श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार संशोधन विधेयक 2026' पेश किया, जिसे सर्वसम्मति से पारित कर दिया गया। इस विधेयक के तहत श्री गुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबी के मामलों में अब दोषियों को उम्रकैद (टिल डेथ) तक की सजा का प्रावधान किया गया है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि फिलहाल यह कानून केवल श्री गुरु ग्रंथ साहिब से जुड़े मामलों पर ही लागू होगा, जबकि अन्य धर्मों के पवित्र ग्रंथों को इसमें शामिल करने पर बाद में विचार किया जाएगा।नए कानून के तहत बेअदबी का दोषी पाए जाने पर आरोपी को न केवल आजीवन कारावास भुगतना पड़ेगा, बल्कि उस पर 25 लाख रुपये तक का जुर्माना भी लगाया जा सकेगा। इसके साथ ही यह अपराध गैर-जमानती होगा, जिससे आरोपियों के लिए राहत पाना मुश्किल हो जाएगा। सरकार का मानना है कि पहले सजा के कम प्रावधान के कारण ऐसे मामलों में अपराधियों में कानून का डर कम था, जिसे अब सख्त दंड के जरिए खत्म करने की कोशिश की गई है।विधानसभा से पारित होने के बाद यह विधेयक अब राज्यपाल की मंजूरी के लिए भेजा जाएगा। यदि इसे स्वीकृति मिल जाती है और केंद्र के किसी कानून से टकराव नहीं होता, तो इसे अप्रैल के अंत या मई 2026 के पहले सप्ताह तक लागू किया जा सकता है।इस संशोधन के पीछे 2015 का चर्चित बरगाड़ी कांड प्रमुख कारण माना जा रहा है, जिसने राज्य में व्यापक आक्रोश पैदा किया था। उस समय मौजूदा कानून दोषियों को कड़ी सजा देने में कमजोर साबित हुआ था, जिसके चलते अब सरकार ने सजा को और कठोर बनाया है।हालांकि, यह विधेयक केवल एक धार्मिक ग्रंथ पर केंद्रित होने के कारण कानूनी बहस का विषय भी बन सकता है। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 14 के तहत कानून के समक्ष समानता का सिद्धांत लागू होता है, ऐसे में अलग-अलग धर्मों के लिए अलग प्रावधान होने पर इसे अदालत में चुनौती दिए जाने की संभावना भी जताई जा रही है।

लैंड फॉर जॉब मामले में बड़ा झटका

लालू प्रसाद यादव की FIR रद्द करने की याचिका खारिज

लैंड फॉर जॉब घोटाले में सुप्रीम कोर्ट ने लालू प्रसाद यादव को बड़ा झटका देते हुए उनकी उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने अपने और परिवार के खिलाफ दर्ज एफआईआर को रद्द करने की मांग की थी। कोर्ट के इस फैसले के बाद अब मामले में कानूनी कार्रवाई तेज होने के संकेत मिल रहे हैं, जिससे लालू परिवार की मुश्किलें बढ़ सकती हैं।जस्टिस एमएम सुंदरेश और एन कोटिश्वर सिंह की बेंच ने साफ कहा कि इस मामले में एफआईआर को रद्द नहीं किया जा सकता। गौरतलब है कि इससे पहले दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट लालू यादव समेत 41 आरोपियों के खिलाफ आरोप तय कर चुकी है, जिससे मामले की गंभीरता और बढ़ गई है।हालांकि, अदालत ने लालू यादव को उनकी उम्र और स्वास्थ्य को देखते हुए आंशिक राहत भी दी है। सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया कि उन्हें निचली अदालत में हर सुनवाई पर व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने की आवश्यकता नहीं होगी और उनके वकील उनकी ओर से पेश हो सकेंगे। इससे उन्हें बार-बार अदालत आने-जाने से राहत मिलेगी, लेकिन उन्हें अपनी बेगुनाही अदालत में साबित करनी होगी।यह मामला उस समय से जुड़ा है जब लालू यादव केंद्र में रेल मंत्री थे। आरोप है कि रेलवे में ग्रुप-डी पदों पर नियुक्ति के बदले उम्मीदवारों से कम कीमत पर जमीन ली गई और उन्हें परिवार के सदस्यों या संबंधित कंपनियों के नाम पर ट्रांसफर कराया गया। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (CBI) का कहना है कि इस पूरी प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर अनियमितताएं हुई हैं।सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के बाद अब जांच प्रक्रिया को गति मिलने की संभावना है और आने वाले समय में बिहार की राजनीति में इस मुद्दे पर बहस और तेज हो सकती है।

बिहार में सत्ता परिवर्तन की आहट तेज,नया सीएम तय होने के संकेत

बिहार की राजनीति इस समय बेहद गर्म हो चुकी है और सत्ता परिवर्तन की चर्चाएं जोर पकड़ चुकी हैं। अगले 24 से 48 घंटों में बड़ा फैसला सामने आने की संभावना जताई जा रही है, जिसमें मुख्यमंत्री से लेकर नई सरकार के स्वरूप तक सब कुछ तय माना जा रहा है।राजनीतिक हलचल के बीच राज्यपाल के सचिव गोपाल मीणा, डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी के आवास पहुंचे, जहां दोनों के बीच करीब 30 मिनट तक अहम बातचीत हुई। इस मुलाकात को संभावित सत्ता परिवर्तन की दिशा में महत्वपूर्ण संकेत माना जा रहा है।मंगलवार दोपहर 3 बजे बीजेपी विधायक दल की बैठक बुलाई गई है, जिसके बाद शाम 4 बजे विधानसभा के सेंट्रल हॉल में एनडीए का नेता चुना जाएगा। बताया जा रहा है कि इस बैठक में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान नए मुख्यमंत्री के नाम का ऐलान कर सकते हैं।सूत्रों के मुताबिक, नीतीश कुमार मंगलवार दोपहर 3:30 बजे राज्यपाल को अपना इस्तीफा सौंप सकते हैं। वहीं, सम्राट चौधरी को मुख्यमंत्री बनाने की मांग को लेकर राज्य के कई हिस्सों में धार्मिक अनुष्ठान भी आयोजित किए जा रहे हैं।इस बीच जदयू कार्यालय से '25 से 30 फिर से नीतीश' वाले पोस्टर हटाए जाने और सीएम हाउस के बाहर लगे पोस्टर बदलने को भी बदलते सियासी समीकरणों का संकेत माना जा रहा है। जानकारी के अनुसार, 14 अप्रैल की सुबह 11 बजे मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में कैबिनेट की अंतिम बैठक भी हो सकती है, जिसके बाद घटनाक्रम तेजी से आगे बढ़ने की उम्मीद है।

हिन्दी जगत महामंच
www.tvbharatvarsh.in
tv भारतवर्ष
सच्ची खबर, सीधे आपके लिए
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक ई-पेपर
प्रदेश का नं. 1
प्रतिष्ठित हिन्दी न्यूज़
ई-पेपर

विज्ञापन दर

साईज	विजिटिंग कार्ड	क्वाटर पेज	हाफ पेज	फुल पेज (अंदर)	फुल पेज (कवर 2-3)	फुल पेज (कवर 4- अंतिम)	(फ्रंट पेज)
रेट	₹ 3000	₹ 6000	₹ 10,000	₹ 20,000	₹ 25,000	₹ 30,000	₹ 100000

8601780000

होर्मुज में जंग की उलटी गिनती शुरू

ईरान ने दे डाली दुनिया को खतरनाक चेतावनी

अमेरिका ने अपने युद्धपोतों और विमान वाहक जहाजों को फारस की खाड़ी में उतार दिया है। यह केवल शक्ति प्रदर्शन नहीं बल्कि सीधी चुनौती है। ट्रंप ने खुलेआम कहा है कि अमेरिकी नौसेना किसी भी जहाज को रोक सकती है और जरूरत पड़ी तो अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में भी कार्रवाई करेगी।

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आदेश पर यह नाकेबंदी लागू की जा रही है। अमेरिकी सेंट्रल कमान ने साफ कहा है कि ईरान के बंदरगाहों में आने जाने वाले हर जहाज को रोका जाएगा, चाहे वह किसी भी देश का हो। यानी अब समुद्र में कोई भी जहाज ईरान के करीब गया तो उसे अमेरिकी ताकत का सामना करना होगा। हालांकि अमेरिका ने यह भी दावा किया है कि जो जहाज ईरान से जुड़े नहीं हैं और केवल होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजर रहे हैं, उन्हें रोका नहीं जाएगा। लेकिन सवाल यही है कि युद्ध के माहौल में ऐसी बातों पर कितना भरोसा किया जा सकता है? देखा जाये तो इस फैसले की जड़ में वह कूटनीतिक विफलता है जो पाकिस्तान में हुई बातचीत के दौरान सामने आई। दोनों देशों के बीच समझौते की उम्मीदें लगभग बन चुकी थीं, लेकिन आखिरी वक्त में बातचीत टूट गई। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने अमेरिका पर आरोप लगाया है कि उसने अपनी शर्तें बार बार बदलीं और अधिकतम दबाव की नीति अपनाई। दूसरी तरफ ट्रंप ने साफ कह दिया कि उन्हें किसी समझौते की परवाह नहीं है और वह सैन्य दबाव बढ़ाने के लिए तैयार हैं। अमेरिका ने अपने युद्धपोतों और विमान वाहक जहाजों को फारस की खाड़ी में उतार दिया है। यह केवल शक्ति प्रदर्शन नहीं बल्कि सीधी चुनौती है। ट्रंप ने खुलेआम कहा है कि अमेरिकी नौसेना किसी भी जहाज को रोक सकती है और जरूरत पड़ी तो अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में भी कार्रवाई करेगी। यह बयान अपने आप में आग में घी डालने जैसा है। उधर, ईरान ने भी जवाब देने में देर नहीं लगाई। इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर ने चेतावनी दी है कि अगर किसी ने गलत कदम उठाया तो वह होर्मुज जलडमरूमध्य को दुश्मनों के लिए मौत का जाल बना देगा। ईरान का दावा है कि इस रणनीतिक मार्ग पर उसका पूरा नियंत्रण है। ईरानी सेना के प्रवक्ता ने तो यहां तक कह दिया कि अमेरिकी कदम समुद्री डकैती के बराबर है और इसका मुंह तोड़ जवाब दिया जाएगा। सबसे खतरनाक बयान वह है जिसमें ईरान ने कहा है कि अगर उसके बंदरगाह सुरक्षित नहीं रहे तो फारस की खाड़ी और ओमान की खाड़ी का कोई भी बंदरगाह सुरक्षित नहीं रहेगा। यानी अब खतरा केवल अमेरिका और ईरान तक सीमित नहीं रहा, बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए चेतावनी बन गया है।इस टकराव का असर तुरंत दिखने लगा है। होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाला जहाज यातायात पहले ही प्रभावित हो चुका है। यह वही मार्ग है जहां से दुनिया का एक बड़ा हिस्सा तेल और गैस गुजरता है। जैसे ही तनाव बढ़ा, कच्चे तेल की कीमतें फिर से सौ डॉलर के पार पहुंच गईं। यह संकेत है कि अगर हालात बिगड़े तो पूरी दुनिया में आर्थिक भूचाल आ सकता है।उधर, ईरान के एक सांसद ने अमेरिका की रणनीति को भटका हुआ और असफल बताया है। उनका कहना है कि अमेरिका जो युद्ध में हासिल नहीं कर पाया, उसे अब समुद्री दबाव के जरिये हासिल करना चाहता है। लेकिन इसका सबसे पहला और सबसे बड़ा नुकसान खुद पश्चिमी देशों को ही होगा। इस बीच, रूस ने एक नया दांव चला है। उसने पेशकश की है कि अगर शांति समझौता होता है तो वह ईरान के संवर्धित यूरेनियम को अपने यहां रखने के लिए तैयार है।

वार्ता विफल होने के बाद रूस ने शांति के लिए नया प्रस्ताव दिया

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

ईरान और अमेरिका के बीच शांति वार्ता विफल होने के बाद पश्चिम एशिया में तनाव काफी बढ़ गया है। इस बीच रूस ने भविष्य में होने वाली शांति वार्ता के लिए एक नया प्रस्ताव पेश किया है। क्रेमलिन ने सोमवार को जानकारी दी कि रूस अमेरिका के साथ किसी भी संभावित शांति समझौते के तहत ईरान का संवर्धित यूरेनियम (enriched uranium) अपने पास रखने के लिए तैयार है। बता दें कि ईरान और अमेरिका के बीच पिछले हफ्ते हुई बातचीत नाकाम रही। इससे युद्ध को तुरंत खत्म करने की उम्मीदें टूट गई हैं। फरवरी के आखिर में शुरू हुए इस युद्ध में अब तक हजारों लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। इस संघर्ष की वजह से पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था भी संकट में है। रूस के पास दुनिया में परमाणु हथियारों का सबसे बड़ा भंडार है। उसने शांति समझौते के लिए कई बार ईरान का यूरेनियम अपने यहां रखने की पेशकश की है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने पत्रकारों को बताया कि राष्ट्रपति पुतिन ने यह प्रस्ताव अमेरिका और क्षेत्र के अन्य देशों के सामने रखा था। उन्होंने साफ किया कि यह प्रस्ताव आज भी लागू है, लेकिन अब तक किसी ने इस पर कोई कदम नहीं उठाया है। इसी बातचीत के दौरान क्रेमलिन ने डोनाल्ड ट्रंप की उस धमकी की कड़ी आलोचना की है, जिसमें उन्होंने होर्मुज जलडमरूमध्य (Strait of Hormuz) की घेराबंदी करने की बात कही थी। यह जलमार्ग व्यापार के लिए बहुत जरूरी है। फरवरी के आखिर में अमेरिका और इस्राइल ने जब से ईरान पर हमले शुरू किए हैं, तब से यह रास्ता पूरी तरह ठप पड़ा है। पेस्कोव ने चेतावनी दी कि इस तरह की घेराबंदी से अंतरराष्ट्रीय बाजार पर बहुत बुरा असर पड़ेगा।

गृह मंत्री अमित शाह ने ममता बनर्जी पर जमकर निशाना साधा

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

पश्चिम बंगाल के वेस्ट मेदिनीपुर के रानीगंज में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार (13 अप्रैल 2026) को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर जमकर निशाना साधा. उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी बॉर्डर पर फेंसिंग के लिए जमीन नहीं दे रहीं हैं और बंगाल में घुसपैठ के लिए बीएसएफ को जिम्मेदार ठहरा रही हैं. रैली को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा, 'आप लोग बेखौफ और बे-रोक-टोक मतदान करना. ममता बनर्जी के किसी भी गुंडे की मजाल नहीं है कि इस बार वो बंगाल के किसी भी मतदाता को रोक पाए. बड़ी संख्या में मतदान होते ही ममता का जाना सुनिश्चित हो जाएगा. गृह मंत्री अमित शाह ने हुमायूं कबीर को सीएम ममता बनर्जी का चेला करार दिया. उन्होंने कहा, 'ममता दीदी राम मंदिर का विरोध करती थीं और अपने चेले-चपाटों को बंगाल में आगे कर बाबरी मस्जिद बनाने का सपना दिखा रही हैं. ममता बनर्जी का चेला हुमायूं कबीर बंगाल में बाबरी मस्जिद बनाना चाहता है. कांग्रेस और ममता बनर्जी ने रामलला को 550 सालों तक तंबू के अंदर रखने का समर्थन किया. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण कराया.' गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, 'बेरोजगार युवाओं की नौकरियों में अरबों-करोड़ों रुपये खाने वाले TMC के लोग मानते हैं कि हमने कुछ नहीं किया होगा. मैं भतीजे को बता कर जाता हूं कि अपने भ्रष्टाचारियों को आगाह कर देना, बीजेपी उन्हें जेल की सलाखों के पीछे डालने का काम करेगी. ममता दीदी ने एक जमाने में पूरे भारत का औद्योगिक केंद्र माने जाने वाले बंगाल के युवाओं को बेरोजगार कर दिया है. हमने तय किया है कि बंगाल में बीजेपी सरकार बनते ही 5 बड़े इंडस्ट्रियल एस्टेट बनाकर पूरे बंगाल में इंडस्ट्री वापस लाने का काम पीएम मोदी करने वाले हैं.' उन्होंने कहा, 'हम यहां UCC लाएंगे. 45 दिन में सरकारी कर्मचारियों को सातवां वेतन आयोग देंगे. हर दीदी के बैंक अकाउंट में हर महीने 3 हजार रुपये बीजेपी सरकार पहुंचाएगी. गर्भवती माता को 21 हजार रुपये दिए जाएंगे. सभी बहनों को सरकारी बस में मुफ्त यात्रा मिलेगी.

क्यूबा के राष्ट्रपति ने दी अमेरिका को चेतावनी बोले- 'भारी पड़ेगा हमला

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

क्यूबा के राष्ट्रपति मिगुएल डियाज-कैनेल ने अमेरिका को साफ चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि अमेरिका के पास क्यूबा पर सैन्य हमला करने या उनकी सरकार को सत्ता से हटाने का कोई सही कारण नहीं है। एनबीसी न्यूज के फेसम कार्यक्रम 'मीट द प्रेस' में दिए गए इंटरव्यू में डियाज-कैनेल ने यह बात कही है। उन्होंने कहा कि अगर अमेरिका ने क्यूबा पर हमला किया तो यह बहुत महंगा पड़ेगा। इससे पूरे इलाके की सुरक्षा भी खतरे में पड़ जाएगी। राष्ट्रपति ने कहा कि अगर अमेरिका हमला करता है तो क्यूबा के लोग अपने देश की रक्षा जरूर करेंगे। उन्होंने कहा, "अगर ऐसा समय आया तो मुझे नहीं लगता कि अमेरिका के पास क्यूबा पर सैन्य हमला करने, सर्जिकल ऑपरेशन करने या राष्ट्रपति को अगवा करने का कोई औचित्य होगा।" उन्होंने कहा, "अगर हमला हुआ तो लड़ाई होगी, संघर्ष होगा। हम अपना बचाव करेंगे। जरूरत पड़ी तो हम अपनी जान भी दे देंगे। क्योंकि हमारे राष्ट्रगान में लिखा है कि वतन के लिए मरना ही जीना है।" राष्ट्रपति मिगुएल डियाज-कैनेल का यह बयान ऐसे समय में आया है जब क्यूबा और अमेरिका के बीच बातचीत हो रही है। दोनों देशों ने बातचीत की पुष्टि की है, लेकिन बातचीत के बारे में कोई डिटेल अभी सार्वजनिक नहीं की गई है। फिर भी दोनों देशों के बीच तनाव अभी भी बना हुआ है। डियाज-कैनेल ने अमेरिका पर क्यूबा के खिलाफ शत्रुतापूर्ण नीति अपनाने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि अमेरिका को क्यूबा से कोई मांग करने का नैतिक अधिकार नहीं है, फिर भी क्यूबा बिना किसी शर्त के बातचीत के लिए तैयार है।

बेटे आनंद ने दी मुखाग्नि

राजकीय सम्मान के साथ हुई अंतिम विदाई

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

भारतीय संगीत जगत की सबसे चमकदार और बहुमुखी आवाज आशा भोंसले अब हमारे बीच नहीं रहीं। रविवार को 92 वर्ष की आयु में उनके निधन ने पूरे राष्ट्र को शोक में डुबो दिया। सोमवार को मुंबई के ऐतिहासिक शिवाजी पार्क में पूरे राजकीय सम्मान और विधि-विधान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया। 'आशा ताई अमर रहें' के गूंजते नारों के बीच उनके बेटे आनंद ने उन्हें मुखाग्नि दी। यह एक ऐसा क्षण था जब लगा मानो संगीत की दुनिया की धड़कन रुक गई हो। फिलहाल आशा ताई पंचतत्व में विलीन हो गई हैं। आशा ताई का अंतिम सफर किसी उत्सव से कम नहीं था, जैसा कि उन्होंने अपने जीवन को जिया। अंतिम विदाई के समय संगीत जगत के दिग्गजों शान और अनूप जलोटा समेत कई बॉलीवुड कलाकारों ने उनके ही कालजयी गीत गाकर उन्हें भावभीनी विदाई दी। यह नजारा दिल को छू लेने वाला था, जहां एक तरफ आंखों में आंसू थे, वहीं दूसरी तरफ उनके सुरों के प्रति कृतज्ञता। आशा पिछले कुछ समय से स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रही थीं। सांस लेने में तकलीफ के कारण उन्हें 11 अप्रैल को मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। स्थिति बिगड़ने पर उन्हें आईसीयू में शिफ्ट किया गया, लेकिन डॉक्टरों के काफी प्रयासों के बावजूद उन्हें बचाया नहीं जा सका। डॉक्टरों ने पुष्टि की कि उनकी मृत्यु मल्टी-ऑर्गन फेलियर के कारण हुई। उनके अंतिम दर्शन के लिए सिनेमा, खेल और राजनीति जगत की दिग्गज हस्तियां पहुंचीं। एआर रहमान, शबाना आजमी, रणवीर सिंह, तब्बू, जैकी श्रॉफ, फरहान अख्तर, सचिन तेंदुल्कर, मोहम्मद शिराज, विक्की कौशल, हेलन और अनुराधा पौडवाल जैसे कलाकारों और खेल जगत के दिग्गजों ने उन्हें नमन किया। राजनीति से महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की। पूरा बॉलीवुड इस महान गायिका को खोने के गम में डूबा नजर आया। आशा भोंसले का जीवन मात्र सफलता की कहानी नहीं, बल्कि कड़े संघर्ष और अटूट इच्छाशक्ति की दास्तां है। उन्होंने अपना पहला गाना मराठी फिल्म के लिए अपनी बड़ी बहन लता मंगेशकर के साथ गाया था 'चला चला नव बाल'।

संपादक की कलम से

"नारी शक्ति वंदन" — क्या सच में बदलने वाला है राजनीति का चेहरा?

भारत की राजनीति में महिलाओं की भागीदारी लंबे समय से चर्चा का विषय रही है। अब जब नरेंद्र मोदी ने "नारी शक्ति वंदन" अभियान के जरिए महिला आरक्षण को लेकर नई पहल का संकेत दिया है, तो यह सवाल फिर से केंद्र में आ गया है कि क्या यह कदम वास्तव में राजनीतिक व्यवस्था में महिलाओं की स्थिति को बदल पाएगा या फिर यह भी एक प्रतीकात्मक प्रयास बनकर रह जाएगा।महिला आरक्षण का मुद्दा नया नहीं है। दशकों से संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने की मांग उठती रही है। 2023 में "नारी शक्ति वंदन अधिनियम" का पारित होना एक ऐतिहासिक क्षण जरूर था, लेकिन इसका क्रियान्वयन 2029 तक टलना कई सवाल खड़े करता है। क्या देश की आधी आबादी को अधिकार देने के लिए और इंतजार जरूरी था, या यह राजनीतिक गणित का हिस्सा है?प्रधानमंत्री का यह कहना कि आने वाले दिन "नया इतिहास" रचेंगे, उम्मीद जगाता है। लेकिन इतिहास केवल घोषणाओं से नहीं बनता, बल्कि ठोस क्रियान्वयन से बनता है। अगर वास्तव में महिलाओं को राजनीतिक निर्णय प्रक्रिया में समान भागीदारी देनी है, तो सिर्फ आरक्षण कानून पर्याप्त नहीं होगा। राजनीतिक दलों को अपने संगठनात्मक ढांचे में भी महिलाओं को नेतृत्व की भूमिका देनी होगी।इसके साथ ही यह भी जरूरी है कि महिलाओं की भागीदारी केवल संख्या तक सीमित न रहे, बल्कि उनकी आवाज भी प्रभावी हो। अक्सर देखा गया है कि कई महिला प्रतिनिधि केवल प्रतीक बनकर रह जाती हैं, जबकि वास्तविक निर्णय कहीं और से नियंत्रित होते हैं। ऐसे में "सशक्तिकरण" का अर्थ केवल सीटें देना नहीं, बल्कि स्वतंत्र निर्णय क्षमता और नेतृत्व को बढ़ावा देना होना चाहिए।"नारी शक्ति वंदन" पहल एक सकारात्मक शुरुआत हो सकती है, लेकिन इसकी सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि सरकार और राजनीतिक दल इसे कितनी गंभीरता से लागू करते हैं। अगर यह पहल जमीनी स्तर पर बदलाव लाती है, तो यह भारतीय लोकतंत्र के लिए एक ऐतिहासिक मोड़ साबित हो सकती है। अन्यथा, यह भी उन वादों की सूची में शामिल हो जाएगी, जो समय के साथ धुंधले पड़ जाते हैं।

मैं आरोपी की तरह खड़ा हूं" — अरविंद केजरीवाल की हाईकोर्ट में दलीलें, CBI से तीखी बहस

केजरीवाल ने फिर कहा कि मैं यहां एक आरोपी की तरह खड़ा हूं, हालांकि निचली अदालत मुझे पहले ही बरी कर चुकी है।' पीठ ने उन्हें न्यायाधीश को मामले से हटाने की मांग के संबंध में विशेष रूप से अपनी दलीलें प्रस्तुत करने का निर्देश दिया।

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल शराब नीति मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की याचिका की सुनवाई के दौरान दिल्ली उच्च न्यायालय में उपस्थित हुए। उन्होंने स्वयं अपना पक्ष रखा और सीबीआई की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस वी राजू भी उपस्थित थे। कर्जियेल ने अदालत में बोलना शुरू करते हुए कहा कि मैं व्यक्तिगत रूप से न्यायाधीश का सम्मान करता हूं और मैं अदालत का भी सम्मान करता हूं। पीठ ने जवाब दिया कि सम्मान पारस्परिक होता है और उन्हें मामले पर ध्यान केंद्रित करने को कहा। केजरीवाल ने फिर कहा कि मैं यहां एक आरोपी की तरह खड़ा हूं, हालांकि निचली अदालत मुझे पहले ही बरी कर चुकी है।' पीठ ने उन्हें न्यायाधीश को मामले से हटाने की मांग के संबंध में विशेष रूप से अपनी दलीलें प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। केजरीवाल ने तर्क दिया कि 9 मार्च को उच्च न्यायालय ने सीबीआई की उस याचिका पर, जिसमें निचली अदालत के फैसले को चुनौती दी गई थी, प्रतिवादियों की अनुपस्थिति में आदेश पारित किया। उन्होंने कहा कि अदालत ने किसी भी प्रतिवादी की अनुपस्थिति में सीबीआई के पक्ष में आदेश पारित किया और कहा कि निचली अदालत के आदेश में प्रथम दृष्टया खामियां हैं। हालांकि, इस मामले में आरोपपत्र 40,000 से अधिक पृष्ठों का है। अदालत ने इसे पढ़े बिना ही अपना आदेश जारी कर दिया। उन्होंने आगे कहा कि कानून सीधा है। उनके अनुसार, मुद्दा यह नहीं है कि न्यायाधीश वास्तव में पक्षपाती है या नहीं, बल्कि यह है कि क्या वादी को निष्पक्षता के संबंध में उचित आशंका है। केजरीवाल ने कहा कि वे ऐसे दस कारण प्रस्तुत करेंगे जिनसे यह स्पष्ट हो सके कि उन्हें ऐसा क्यों लगता है कि ऐसी आशंका मौजूद है। बहस के दौरान, केजरीवाल ने कई सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का जिक्र किया जिनमें यह बताया गया है कि उचित आशंका क्या होती है। इससे पहले, पिछली सुनवाई में सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने केजरीवाल की याचिका का कड़ा विरोध किया था। मेहता ने कहा था कि अदालत नाटकबाजी का मंच नहीं है और आरोपों को बेबुनियाद और अपमानजनक बताया था। उन्होंने यह भी बताया कि बरी किए गए सात अन्य आरोपियों ने भी इसी तरह न्यायाधीश को मामले से हटाने की मांग करते हुए याचिकाएं दायर की थीं। न्यायमूर्ति शर्मा ने कहा था कि अगर और भी याचिकाएं आती हैं, तो उन पर एक साथ विचार करके एक ही फैसला लिया जा सकता है। 27 फरवरी को ट्रायल कोर्ट ने केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और 21 अन्य को बरी कर दिया। अदालत ने केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की आलोचना करते हुए कहा कि मामला न्यायिक जांच के लायक नहीं है और सबूत पूरी तरह से अविश्वसनीय पाए गए हैं। 9 मार्च को, न्यायमूर्ति शर्मा ने सीबीआई की याचिका पर सभी 23 आरोपियों को नोटिस जारी किया। न्यायाधीश ने पाया कि आरोप तय करते समय निचली अदालत द्वारा की गई कुछ टिप्पणियां त्रुटिपूर्ण प्रतीत होती हैं।

बंगाल चुनाव से पहले TMC में हुए शामिल

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

सुभाष चंद्र बोस के पोते चंद्र बोस ने रविवार (12 अप्रैल 2026) को पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले तृणमूल कांग्रेस (TMC) का दामन थाम लिया. इस दौरान राज्य के शिक्षा मंत्री ब्रात्य बसु और पार्टी सांसद कीर्ति आजाद मौजूद रहे. टीएमसी में शामिल होने के बाद चंद्र बोस ने बीजेपी पर तीखा हमला बोला. उन्होंने कहा कि बीजेपी की नीतियां खुलकर सांप्रदायिक हैं और संविधान के खिलाफ हैं. उनके अनुसार, बीजेपी चुनाव जीतने के लिए धर्म का इस्तेमाल करती है, जो समाज को बांटने वाली नीति है. चंद्र बोस ने आगे कहा कि अंग्रेजों ने भी अपने शासन के दौरान इसी तरह की नीति अपनाई थी और देश को बांटने की कोशिश की थी. उन्होंने कहा कि जैसे भारत ने अंग्रेजों को देश से बाहर किया था, वैसे ही अब समय आ गया है कि बीजेपी को भी सत्ता से बाहर किया जाए. गौरतलब है कि चंद्र बोस ने साल 2023 में बीजेपी छोड़ दी थी और अब उन्होंने टीएमसी में शामिल होकर पश्चिम बंगाल की राजनीति में नई भूमिका की शुरुआत की है. पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव देश के सबसे बड़े और अहम चुनावों में से एक माना जा रहा है. यह चुनाव सिर्फ राज्य की सरकार तय नहीं करेगा, बल्कि इसका असर राष्ट्रीय राजनीति पर भी देखने को मिल सकता है. इस बार चुनाव दो चरणों में हो रहा है. पहला चरण 23 अप्रैल 2026 को होगा और दूसरा चरण 29 अप्रैल 2026 को. इसके बाद 4 मई 2026 को मतगणना होगी और नतीजे सामने आएंगे. राज्य की कुल 294 सीटों पर वोटिंग हो रही है और सरकार बनाने के लिए किसी भी पार्टी या गठबंधन को कम से कम 148 सीटों की जरूरत होगी. इस चुनाव में मुख्य मुकाबला तृणमूल कांग्रेस, भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस-वाम गठबंधन के बीच है. तृणमूल कांग्रेस की अगुवाई ममता बनर्जी कर रही हैं और यह पार्टी फिलहाल राज्य की सत्ता में है. 2021 के चुनाव में टीएमसी ने 200 से ज्यादा सीटें जीतकर बड़ी जीत हासिल की थी और अब वह एक बार फिर सत्ता में लौटने की कोशिश कर रही है. भारतीय जनता पार्टी भी इस चुनाव में पूरी ताकत लगा रही है.

नारी शक्ति को मिलेगा नया अधिकार
संसद रचेगी इतिहास" — पीएम मोदी का बड़ा ऐलान

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

दिल्ली में नारी शक्ति वंदन अभियान कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी को मजबूत करने पर जोर देते हुए कहा कि दशकों से लंबित इंतजार को खत्म करने का समय अब आ गया है। उन्होंने कहा कि 16, 17 और 18 अप्रैल की तारीखें इस दिशा में बेहद अहम साबित होंगी। प्रधानमंत्री ने बताया कि वर्ष 2023 में नए संसद भवन में 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' के रूप में पहला कदम उठाया गया था। इसका उद्देश्य देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था में महिलाओं की भागीदारी को और सशक्त बनाना है। उन्होंने आगे कहा कि इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए संसद के बजट सत्र के दौरान 16 अप्रैल से एक विशेष सत्र आयोजित किया जा रहा है। इस सत्र के जरिए महिलाओं को अधिक प्रतिनिधित्व देने की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएंगे। पीएम मोदी ने यह भी कहा कि 'नारी शक्ति वंदन' कार्यक्रम के माध्यम से देशभर की करोड़ों माताओं और बहनों का आशीर्वाद मिल रहा है, जो इस पहल को और मजबूती प्रदान करेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने संसद के तीन दिन के विशेष सत्र से पहले महिलाओं के एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि संसद उस समय "नया इतिहास" रचेगी, जब 2029 में लागू करने के लिए इस सप्ताह महिला आरक्षण अधिनियम में संशोधन किया जाएगा। उन्होंने कहा-जब 2023 में 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' संबंधी विधेयक लाया गया था, तब सभी दलों ने इसे सर्वसम्मति से पारित किया था और 2029 तक इसे लागू करने की सामूहिक मांग भी उठी थी। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से विपक्ष ने इस बात पर जोर दिया था कि विधेयक को 2029 तक लागू करना आवश्यक है। उन्होंने कहा, "हमारे देश की संसद एक नया इतिहास रचने के करीब है। ऐसा नया इतिहास, जो अतीत की परिकल्पनाओं को साकार करेगा और भविष्य के संकल्पों को पूरा करेगा। यह ऐसे भारत का संकल्प है, जो समतावादी हो, जिसमें सामाजिक न्याय केवल नारा न होकर हमारी कार्य संस्कृति और निर्णय प्रक्रिया का स्वाभाविक हिस्सा हो।"

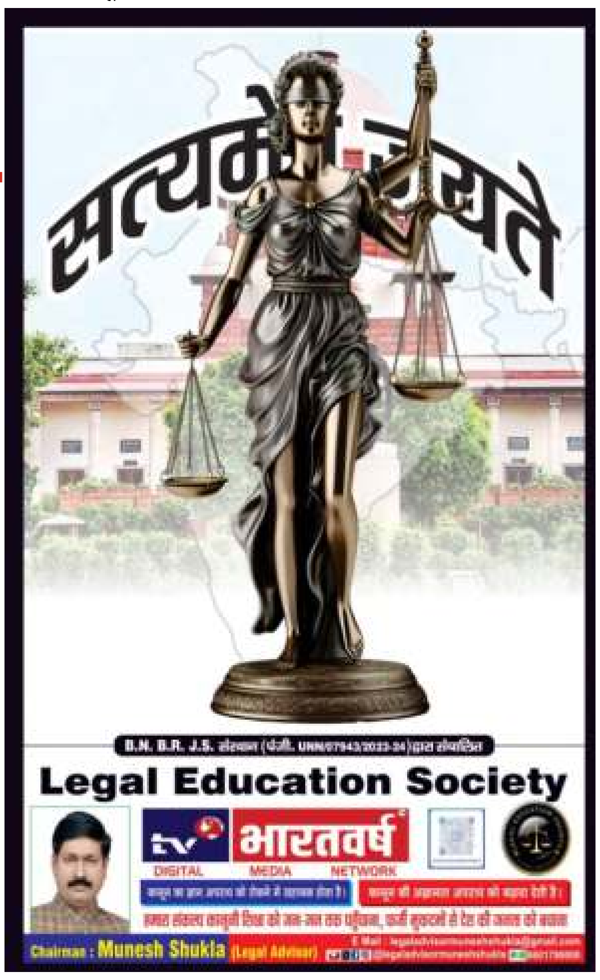

12वीं कॉमर्स के बाद सुनहरे करियर विकल्प
इन फील्ड्स में बनाएं दमदार भविष्य

12वीं कॉमर्स के बाद करियर के विकल्प अब पहले से कहीं ज्यादा व्यापक और आकर्षक हो चुके हैं। एक समय था जब कॉमर्स स्ट्रीम के छात्रों के लिए चार्टर्ड अकाउंटेंसी (CA) या कंपनी सेक्रेटरी (C S) ही मुख्य विकल्प माने जाते थे, लेकिन बदलते दौर में अब कई नए और बेहतर अवसर सामने आए हैं। आज के समय में छात्र अपनी रुचि, स्किल और करियर गोल के अनुसार अलग-अलग फील्ड में आगे बढ़ सकते हैं और सफल भविष्य बना सकते हैं।अगर आपको नंबर, पैसों का हिसाब-किताब और फाइनेंशियल प्लानिंग में रुचि है, तो फाइनेंस और अकाउंटिंग का क्षेत्र आपके लिए बेहतरीन साबित हो सकता है। इस फील्ड में आप फाइनेंस एनालिस्ट, टैक्स कंसल्टेंट या इन्वेस्टमेंट एडवाइजर जैसी भूमिकाओं में काम कर सकते हैं। बड़ी कंपनियों में इन प्रोफेशनल्स की हमेशा मांग रहती है, जिससे इस सेक्टर में अच्छी सैलरी और ग्रोथ के अवसर मिलते हैं।वहीं, जिन छात्रों को लोगों से बातचीत करना, नए आइडिया प्रस्तुत करना और क्रिएटिव तरीके से काम करना पसंद है, उनके लिए मार्केटिंग और सेल्स एक शानदार विकल्प है। इस फील्ड में कम्युनिकेशन स्किल्स का बहुत महत्व होता है और मेहनत के आधार पर तेजी से करियर ग्रोथ देखने को मिलती है।अगर आप टीम के साथ काम करना पसंद करते हैं और लोगों को समझने की क्षमता रखते हैं, तो ह्यूमन रिसोर्स (HR) और मैनेजमेंट भी एक अच्छा करियर विकल्प है। इसमें कर्मचारियों की भर्ती, टीम को मैनेज करना और संगठन के कामकाज को सुचारू रूप से चलाना शामिल होता है। यह क्षेत्र स्थिरता और दीर्घकालिक ग्रोथ के लिए जाना जाता है।इसके अलावा, इंटरनेशनल बिजनेस भी एक उभरता हुआ क्षेत्र है। इसमें एक्सपोर्ट-इंपोर्ट, ग्लोबल ट्रेड और विदेशी बाजारों से जुड़े काम शामिल होते हैं। इस फील्ड में काम करने से आपको विदेश में करियर बनाने के अवसर भी मिल सकते हैं।अगर आपके अंदर उद्यमिता की भावना है और आप कुछ अपना करना चाहते हैं, तो आप खुद का बिजनेस या स्टार्टअप शुरू कर सकते हैं। आज के समय में कई युवा अपने आइडिया के दम पर सफल हो रहे हैं। हालांकि इसमें जोखिम होता है, लेकिन सफलता मिलने पर लाभ भी काफी बड़ा होता है।इसके अलावा, होटल मैनेजमेंट, ट्रैवल और टूरिज्म जैसे सेक्टर भी कॉमर्स स्टूडेंट्स के लिए अच्छे विकल्प हैं। इन क्षेत्रों में न केवल नौकरी के अवसर मिलते हैं, बल्कि खुद का व्यवसाय शुरू करने की भी संभावना रहती है।कुल मिलाकर, 12वीं कॉमर्स के बाद आपके पास कई ऐसे रास्ते हैं, जिनमें आप अपनी रुचि और क्षमता के अनुसार आगे बढ़कर एक सफल और संतोषजनक करियर बना सकते हैं।

SSC प्रक्रिया में किया बड़ा बदलाव, गलत सवाल पर मिलेंगे पूरे नंबर

सरकारी नौकरी की तैयारी करने वाले लाखों छात्रों के लिए कर्मचारी चयन आयोग (SSC) की परीक्षाएं बेहद जरूरी होती है. हर साल बड़ी संख्या में अभ्यर्थी SSC की अलग-अलग भर्ती परीक्षाओं में शामिल होते हैं, लेकिन कई बार परीक्षा में गलत सवाल, अस्पष्ट प्रश्न या तकनीकी समस्याओं के कारण उम्मीदवारों को नुकसान उठाना पड़ता था. इन समस्याओं को लेकर लंबे समय से छात्र शिकायत कर रहे थे, कई बार विरोध प्रदर्शन भी हुए और मामला अदालत तक पहुंचा. इन्हीं सभी बातों को ध्यान में रखते हुए SSC ने अब परीक्षा प्रक्रिया को ज्यादा पारदर्शी, निष्पक्ष और भरोसेमंद बनाने के लिए बड़े बदलाव करने का फैसला लिया है. यह नई व्यवस्था साल 2026 से लागू होगी और इससे उम्मीदवारों को काफी राहत मिलने की उम्मीद है. SSC ने कंप्यूटर आधारित परीक्षाओं के लिए एक नई आपत्ति प्रबंधन प्रणाली लागू करने की घोषणा की है. इस सिस्टम के तहत परीक्षा के बाद उम्मीदवारों को अपनी बात रखने का मौका मिलेगा और गलतियों को सुधारा जा सकेगा. अब अगर परीक्षा में कोई सवाल गलत होता है, अधूरा होता है या साफ समझ नहीं आता, तो उसे हटा दिया जाएगा. सबसे बड़ी बात यह है कि उस सवाल के पूरे नंबर सभी उम्मीदवारों को दे दिए जाएंगे. इससे किसी भी छात्र को गलत प्रश्न की वजह से नुकसान नहीं होगा. यह बदलाव छात्रों की शिकायतों, आरटीआई आवेदन और अदालतों की टिप्पणियों के बाद किया गया है. हाल ही में कुछ परीक्षाओं में गलत प्रश्न और तकनीकी दिक्कतों के कारण देशभर में छात्रों ने विरोध प्रदर्शन किया था.

वीडियो से मचा हड़कंप
चर्चा में युजवेंद्र चहल

जीतने वाली टीम होगी मालामाल
रिकॉर्ड इनामी राशि की घोषणा

महिला टी20 विश्व कप 2026 के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने रिकॉर्ड इनामी राशि की घोषणा की है। टूर्नामेंट की शुरुआत में अब कुल दो महीने यानी 60 दिन का समय शेष है। इससे पहले खेल की वैश्विक संस्था ने आगामी टूर्नामेंट के लिए इनामी राशि का एलान किया है। इस बार कुल इनामी राशि 8,764,615 डॉलर (82 करोड़ रुपये) रखी गई है, जो 2024 के मुकाबले लगभग 10 प्रतिशत ज्यादा है। 2024 में यह राशि 7,958,077 डॉलर (लगभग 74 करोड़ रुपये) थी। खास बात यह है कि इस बार टूर्नामेंट में पहली बार 12 टीमें हिस्सा लेंगी, जबकि पहले 10 टीमें खेलती थीं। आईसीसी के सीईओ संजोग गुप्ता ने कहा कि महिला क्रिकेट तेजी से आगे बढ़ रहा है और इस तरह की बढ़ती इनामी राशि इस खेल को और मजबूत बनाएगी। उन्होंने यह भी बताया कि टूर्नामेंट का विस्तार और बढ़ता निवेश महिला क्रिकेट को वैश्विक स्तर पर नई पहचान दे रहा है। टूर्नामेंट से पहले ट्रॉफी टूर भी शुरू हो गया है। इसकी शुरुआत लंदन में स्थित ऐतिहासिक लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड से हुई। इसके बाद ट्रॉफी नीदरलैंड्स, आयरलैंड और स्कॉटलैंड जैसे देशों का दौरा करेगी और फिर इंग्लैंड के विभिन्न शहरों में जाएगी। महिला टी20 विश्व कप 2026 की शुरुआत 12 जून से होगी। पहला मैच मेजबान इंग्लैंड और श्रीलंका की महिला टीमों के बीच बर्मिंघम के एजबेस्टन क्रिकेट ग्राउंड पर खेला जाएगा। यह टूर्नामेंट न सिर्फ खेल के स्तर पर बल्कि दर्शकों और मीडिया के लिहाज से भी नए रिकॉर्ड बना सकता है।

कप्तान हार्दिक ने
ड्रेसिंग रूम में बढ़ाया एमआई का हौसला

आईपीएल 2026 के 20वें मुकाबले में मुंबई इंडियंस (MI) को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) के खिलाफ 18 रनों से हार का सामना करना पड़ा. इस सीजन में मिली तीसरी हार के बाद एमआई के कप्तान हार्दिक पांड्या ने ड्रेसिंग रूम में टीम का मनोबल बढ़ाया. मुंबई इंडियंस द्वारा अपने सोशल मीडिया अकाउंट 'एक्स' पर शेयर किए गए वीडियो में हार्दिक ने कहा कि किसी भी मुकाबले में हम जीत दर्ज कर सकते हैं या फिर उस मैच में मिली हार से सीख सकते हैं. हारने जैसी कोई चीज नहीं होती है. हार्दिक ने कहा, 'महेला जयवर्धने ने जो कहा उसे देखते हुए मुझे लगता है कि हमारे पास दो विकल्प हैं. पहला यह है कि हम सभी अपने कमरों में चले जाएं और सोचने की कोशिश करें कि गलती कहां पर हुई. मुझे पता है कि यह मुश्किल है, हारना हमेशा मुश्किल होता है, लेकिन हमें अपनी गलतियों से सीख लेनी होगी. एक मुकाबले को जीतना होता है या फिर उससे सीखना होता है. हारना कभी विकल्प नहीं होता.' रविवार को वानखेड़े के मैदान पर खेले गए मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ मुंबई इंडियंस का गेंदबाजी अटैक पूरी तरह से बेबस नजर आया.

इतिहास बनने का सपना अधर में
वनडे वर्ल्ड कप 2027 से पहले नामीबिया संकट में

वनडे विश्व कप 2027 का आयोजन अगले साल किया जाएगा। इसमें अभी वक्त बाकी है, लेकिन इसका इंतजार सभी को है। एक बात तो माननी पड़ेगी। भले ही टी20 विश्व कप भी होने लगा हो, लेकिन वनडे विश्व कप की जो बात है, उसका मुकाबला कोई नहीं कर सकता। इस बीच अगले साल होने वाले वनडे विश्व कप में कुछ अनोखा नजारा भी देखने के लिए मिल सकता है। इसकी संभावना अभी तक नजर आ रही है। हालांकि इसकी पुष्टि होने में वक्त है, लेकिन अगर ऐसा हुआ तो ये गजब हो जाएगा। जो विश्व कप के इतिहास में कभी नहीं हुआ, क्या वो होगा। आईसीसी ने साल 2027 में होने वाले वनडे विश्व कप की मेजबानी साउथ अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया को दी है। आईसीसी का फुल मेंबर होने के नाते साउथ अफ्रीका और जिम्बाब्वे को तो सीधी एंट्री मिली है, लेकिन नामीबिया चूंकि एसोसिएट मेंबर है, इसलिए उसे क्वालीफायर राउंड खेलकर आना होगा। इस बीच नामीबिया की टीम बुरी तरह से फंसी हुई है। अभी टीम की जो स्थिति है, उससे टीम पर बाहर होने का खतरा मंडरा रहा है। अगले साल होने वाले विश्व कप के लिए अभी क्वालीफायर राउंड खेल जा रहे हैं, जो नामीबिया को खेलना पड़ रहा है। क्रिकेट विश्व कप लीग 2 में नामीबिया का प्रदर्शन मिला-जुला रहा है। मौजूदा अंक तालिका देखें तो लीग 2 में टीम ने अब तक 28 मैच खेले हैं, जो कि इनमें से वे केवल 10 जीत पाए हैं और 16 हार का सामना करना पड़ा है। टीम के पास 22 अंक है और अंक तालिका में वे 5वें नंबर पर है। हाल ही में टीम के दो मैच खेले गए, जिसमें से उसे एक में हार का सामना करना पड़ा और एक में जीत दर्ज कर ली। 12 अप्रैल को ही नामीबिया और स्कॉटलैंड के बीच मैच हुआ, इसमें नामीबिया को सात विकेट से करारी हार का सामना करना पड़ा है। हालांकि उससे पहले टीम ने 10 अप्रैल को ओमान को हरा दिया। नामीबिया और ओमान के बीच एक रोचक मुकाबला हुआ, जिसे नामीबिया ने 1 विकेट से जीत लिया।

कैमरे में कैद हुआ हिम तेंदुआ

फिर दिखा 'पहाड़ों का भूत'

मशहूर फोटोग्राफर विजेथ भार्गव ने बताया कि वे लगातार 12 दिनों तक रोज सुबह 8 बजे से शाम 6 बजे तक पहाड़ की रिज पर कैमरा लेकर बैठे रहे. लेकिन इंतजार जारी रहा. और फिर आया वो पल चट्टानों के बीच हल्की सी हरकत. पत्थर नहीं, बल्कि एक मादा हिम तेंदुआ अपने दो पांच महीने के शावकों के साथ सामने थी.

हिमालय की ऊंची चोटियों पर छिपा एक रहस्यमयी जीव जिसे 'पहाड़ों का भूत कहा जाता है. हिम तेंदुआ यानी स्नो लेपर्ड जिसे नंगी आंखों से देख पाना मुश्किल है.

इसका स्लेटी-सफेद फर और काले-भूरे धब्बे इसे बर्फ और चट्टानों के बीच ओझल हो जाते हैं. यह शांत, चालाक और ऊंचाई का उस्ताद शिकारी है, जो हजारों फीट ऊपर रहता है. लेकिन जलवायु परिवर्तन और अवैध शिकार के कारण आज यह लुप्तप्राय प्रजाति बन चुका है. जाहिर है इसको कैमरे में कैप्चर करना बहुत मुश्किल है.वाइल्डलाइफ फोटोग्राफी के लिए ये कुदरत से सीधी जंग है. खासकर हिमालय में, जहां ऊंचाई 15,000 फीट से ज्यादा, ऑक्सीजन कम और ठंड जानलेवा होती है. तेज हवाओं के बीच कैमरा संभालना तक मुश्किल हो जाता है. फोटोग्राफर घंटों एक ही जगह टिके रहते हैं. साथ ही चट्टानों को निहारते हुए. इस उम्मीद में कि कहीं कोई हलचल दिख जाए.ऐसा ही एक रोमांचक अनुभव लद्दाख के उल्ली इलाके में देखने को मिला. इंस्टाग्राम पर मशहूर फोटोग्राफर विजेथ भार्गव (@drone_pilot_vb) ने 9 अप्रैल को अपनी कहानी साझा की. उन्होंने बताया कि वे लगातार 12 दिनों तक रोज सुबह 8 बजे से शाम 6 बजे तक पहाड़ की रिज पर कैमरा लेकर बैठे रहे. उनके साथ कई भारतीय और विदेशी फोटोग्राफर भी मौजूद थे. शाम होते ही असली परीक्षा शुरू होती. तापमान अचानक 7-8 डिग्री गिर जाता और बर्फीली हवाएं उंगलियां जमा देतीं. लेकिन इंतजार जारी रहा. और फिर आया वो पल चट्टानों के बीच हल्की सी हरकत. पत्थर नहीं, बल्कि एक मादा हिम तेंदुआ अपने दो पांच महीने के शावकों के साथ सामने थी. मां आगे-आगे, शावक पीछे खेलते-कूदते, गिरते-संभलते चलते रहे. करीब एक घंटे तक यह परिवार चट्टानों पर घूमता रहा, आराम करता रहा और शिकार की तलाश में नजरें दौड़ाता रहा.

चीन का गोल्ड एटीएम!

चीन हर क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है.चाहे वह AI तकनीक हो या रोजमर्रा की जरूरतों को आसान बनाने वाली नई खोजें. इसी कड़ी में सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें चीन का 'गोल्ड ATM' लोगों का ध्यान खींच रहा है. वीडियो में देखा जा सकता है कि लोग इस मशीन में अपना सोना डालते हैं और यह मशीन सामने ही उसे पिघलाकर उसकी शुद्धता और वजन जांचती है. इसके बाद कुछ ही समय में पैसे सीधे बैंक खाते में ट्रांसफर हो जाते हैं.

महिला ने बताया, ऐसी लाइफ है NCR वालों की

माचिस की डिब्बी में कैद जिंदगी

दिल्ली-एनसीआर की रहने वाली एक महिला, ईशाना नौटियाल, इन दिनों सोशल मीडिया पर काफी चर्चा में हैं.

उन्होंने ऊंची इमारतों में रहने के अपने अनुभव को एक वीडियो के जरिए शेयर किया, जिसे लोगों ने काफी शेयर किया और उस पर अलग-अलग प्रतिक्रिया भी दी. ईशाना ने यह वीडियो अपने घर की 19वीं मंजिल की बालकनी से बनाया था. वीडियो में उन्होंने नीचे बने अपार्टमेंट कॉम्प्लेक्स का नज़ारा दिखाया. ऊंची-ऊंची इमारतें, छोटे-छोटे फ्लैट और नीचे खेलते लोग, इन सबको दिखाते हुए उन्होंने कहा कि यहां रहना ऐसा लगता है जैसे माचिस की डिब्बियों में रह रहे हों. वीडियो में वह बताती हैं कि वह ऊपर खड़ी होकर अपने बेटे पर नजर रख रही हैं, जो नीचे खेल रहा था.

कुर्सियों के नीचे कूड़ा-करकट की पोस्ट वायरल

फ्लाइट में दिखा ज़ीरो सिविक सेंस

सोशल मीडिया पर इन दिनों फ्लाइट में गंदगी फैलाने को लेकर एक पोस्ट तेजी से वायरल हो रही है, जिसने लोगों के बीच शिष्टाचार और साफ-सफाई को लेकर बहस छेड़ दी है. इस पोस्ट में एक व्यक्ति ने फ्लाइट के अंदर की हालत और यात्रियों के व्यवहार पर नाराजगी जताई है. पोस्ट में लिखा गया है कि क्या बच्चों को संभालना और उनके बाद सफाई करना माता-पिता की जिम्मेदारी नहीं होती? उन्होंने कहा कि यह समस्या सिर्फ एक फ्लाइट की नहीं है, बल्कि कई फ्लाइट्स में लोग कचरा फैलाकर चले जाते हैं. खासकर उन्होंने यह भी कहा कि कई बार भारतीय यात्रियों के साथ ऐसा ज्यादा देखने को मिलता है, जिसके कारण बाद में लोग पूरे समुदाय को गलत नजर से देखने लगते हैं. व्यक्ति ने अपने अनुभव बताते हुए कहा कि फ्लाइट की हालत उन्हें किसी गांव की सरकारी बस जैसी लगी, जहां लोग बिना सोचे-समझे गंदगी फैला देते हैं. उन्होंने साफ कहा कि कहीं भी कचरा फैलाना बहुत गलत और शर्म की बात है. उन्होंने यह भी बताया कि इस तरह की गंदगी की वजह से फ्लाइट में देरी भी हो सकती है। क्योंकि हर उड़ान के बाद एयर होस्टेस और स्टाफ को पूरी सफाई करनी पड़ती है, ताकि अगली फ्लाइट के लिए सब कुछ ठीक रहे. इससे उनका काम और भी मुश्किल हो जाता है.

धोखे के बाद बदला नजरिया

शक्ति मोहन ने शादी और रिश्तों पर खुलकर रखी बात

दिसंबर 2009 में आए रियलिटी शो 'डांस इंडिया डांस 2' से लोकप्रियता हासिल करने वाली शक्ति मोहन अब किसी परिचय की मोहताज नहीं हैं। वो कई रियलिटी शोज में नजर आ चुकी हैं। साथ ही इंडस्ट्री की एक जानी-मानी कोरियोग्राफर भी बन गई हैं। हाल ही में शक्ति ने अपने निजी जीवन के विभिन्न पहलुओं पर बात की। उन्होंने बताया कि आखिर क्यों उन्होंने शादी न करने का फैसला किया। वहीं उन्होंने अपने उस रिलेशनशिप के बारे में भी बताया, जिसके धोखे ने उन्हें गहरा सदमा दिया। सिद्धार्थ कन्नन के साथ बातचीत में शक्ति मोहन ने अपनी शादी को लेकर कहा कि बहुत से लोग मुझसे शादी के बारे में पूछते हैं। मेरे पिता ने कल ही मुझसे पूछा था कि क्या मुझे कोई मिल गया है। मेरी मां चाहती हैं कि मैं किसी के साथ रहूं। वह कहती हैं कि कम से कम एक बॉयफ्रेंड तो बना लो। लेकिन मुझे अपने काम और स्टूडियो चलाने में बहुत मजा आ रहा है। मुझे ऐसा नहीं लगता कि कुछ कमी है। यह समाज की सोच है कि जीवन में किसी का होना जरूरी है। अगर मैं इस तरह खुश हूं तो समस्या क्या है? अगर मुझे कोई अच्छा साथी मिल जाए तो मैं मना नहीं करूंगी, लेकिन जब कोई है ही नहीं, तो मुझे उस दिशा में क्यों सोचना चाहिए? बच्चों को लेकर शक्ति ने कहा कि मुझमें मातृत्व की भावना नहीं है। मैं बड़ी बुआ हूं और अपने भतीजे के लिए सबसे खास हूं, लेकिन फिर भी मुझमें मातृत्व की भावना नहीं है। मैं खुद के लिए बच्चे नहीं चाहती। शक्ति ने अपने पिछले रिश्ते के बारे में भी बात की और बताया कि दो बार दिल टूटने के बावजूद जब उन्हें धोखा मिला तो उन्हें सबसे ज्यादा तकलीफ हुई। कोरियोग्राफर ने कहा कि मुझे एक रिश्ते में धोखा मिला। मैंने तुरंत रिश्ता तोड़ दिया। लेकिन मेरी मां ने कहा कि वह अच्छा लड़का है, हमारा तीन साल का रिश्ता था और मुझे इसे भूल जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि लड़के ऐसे ही होते हैं। इसे स्वीकार कर लो। लेकिन मैंने उनसे कहा कि मैं इसे अपने जीवन में स्वीकार नहीं करूंगी। अगर लड़के ऐसे ही होते हैं, तो मुझे अपने जीवन में कोई लड़का नहीं चाहिए। मेरी मां ने मुझे महीनों तक रोते देखा। मुझे धोखे की बात समझ ही नहीं थी। अगर कोई आपको धोखा देता है, तो आप उसे कभी नहीं भूल सकते और फिर आप हर किसी पर शक करने लगते हैं। शक्ति ने अपने पार्टनर को धोखा देते हुए रंगे हाथों पकड़ा और जब उन्होंने इस बारे में उससे पूछा, तो उसने अपने दूसरे रिश्ते को मानने से इनकार कर दिया। मुझे और भी बातें पता चलीं, लेकिन वह इनकार करता रहा। उस आदमी ने मुझसे माफी मांगी और रोज घर आता था, लेकिन मुझ पर फिर कोई असर नहीं पड़ा।

पल्लवी पटेल और पुलिस में झड़प

अंबेडकर जयंती से पहले लखनऊ में समता संकल्प मार्च

भीमराव अंबेडकर की जयंती से पहले लखनऊ में अपना दल (कमेरावादी) ने समता संकल्प मार्च निकालकर उन्हें श्रद्धांजलि दी।मार्च में पल्लवी पटेल के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और महिलाएं शामिल हुईं।इस दौरान "यूजीसी लागू करो" और "आरक्षण का अधिकार दो" जैसे नारों के साथ सरकार पर संविधान विरोधी होने के आरोप लगाए गए।आईटी चौराहे से विधानसभा तक मार्च के दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प ने माहौल को तनावपूर्ण बना दिया।

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ में डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती से एक दिन पहले अपना दल (कमेरावादी) ने उनकी प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर दारूलशफा से अंबेडकर प्रतिमा तक "समता संकल्प मार्च" निकाला गया। मार्च में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए। कार्यक्रम में सिराथू विधायक डॉ. पल्लवी पटेल मुख्य रूप से मौजूद रहीं। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने "यूजीसी लागू करो" और "आरक्षण का अधिकार दो" जैसे नारे लगाए। कार्यक्रम में सिराथू विधायक डॉ. पल्लवी पटेल ने कहा कि बाबा साहब भीमराव अंबेडकर ने हम सबको संविधान की सुरक्षा कवच दिया। दलितों पिछड़ों भारत के प्रत्येक नागरिक को संविधान का ऐसा अधिकार मिला कि वह हमेशा उसके अधिकारों की रक्षा होती रहेगी। बाबा साहब भीमराव अंबेडकर, बीपी पंडाल और ज्योतिबा फुले प्रत्येक समतावादी व्यक्ति को याद करते रहना चाहिए। मौजूदा समय में भाजपा सरकार बाबा साहब के प्रतीक चिन्हों को तो 100% रूप से पूजती है। लेकिन उतनी ही मजबूती से बाबा साहेब के विचारों और संविधान को मिटाने के लिए कुंठित प्रयास कर रही है। इसके जिम्मेदार वो लोग भी है जिन्होंने बाबा साहब के नाम पर सत्ता पाई। मगर संविधान की सुरक्षा के लिए कुछ नहीं किया। आज एक बड़ा वर्ग खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहा है। संविधान बचाने के लिए एक महान आंदोलन खड़ा किया जाना चाहिए ताकि इस देश में अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को न्याय मिले। पल्लवी पटेल ने कहा यूजीसी पर सर्वोच्च न्यायालय ने बहुत सोच समझकर रोक लगाया। भारतीय जनता पार्टी ने जो षड्यंत्र रचा था उसमें वह कुछ हद तक सफल भी हुए। मगर जब तक इस देश में वंचित समाज और बाबा साहब को मानने वाले मजबूती से लड़ाई लड़ते रहेंगे तब तक किसी के अधिकारों का हनन नहीं होगा। यूजीसी सुप्रीम कोर्ट की फाइलों से निकालकर इस देश की शिक्षा व्यवस्था पर लागू होगा और वंचितों को उनका अधिकार मिलेगा। स्वयं भारतीय जनता पार्टी यूजीसी को लागू करवाएगी।लखनऊ में पुलिस और पल्लवी पटेल के बीच आज झड़प हो गई। पल्लवी UGC इक्विटी रेगुलेशन 2026 के समर्थन में सैकड़ों लोगों के साथ पैदल मार्च निकाल रही थीं। उनके साथ सैकड़ों महिलाएं इस मार्च में शामिल थीं। महिलाओं संग वह IT चौराहे से निकलीं और यहां से विधानसभा तक जाना था।

रेलवे कर्मी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ के मदेयगंज थाना क्षेत्र में रविवार रात एक रेलवे कर्मी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक की पहचान 28 वर्षीय रिजवान अली के रूप में हुई है। उनके भाई ने उनकी पत्नी पर जहर देकर हत्या करने का आरोप लगाया है। मामले की लिखित शिकायत दी है। हालांकि, रिपोर्ट नहीं दर्ज हुई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। रिजवान बीकेटी के रहने वाले थे। रेलवे में इलेक्ट्रिशियन के पद पर तैनात थे। पत्नी सना खान के साथ डालीगंज स्थित सर्वेंट क्वार्टर में रहते थे। दोनों ने साल 2016 में लव मैरिज की थी। उनके भाई शाहबाज अली ने आरोप लगाते हुए कहा है कि सना खान खाने में जहर मिलाकर भाई को देती थी, जिसके चलते उसकी तबीयत बिगड़ती गई। इसी कारण भाई की मौत हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि सना का किसी के लड़के के साथ प्रेम प्रसंग चल रहा है। जिसके चलते भाई को रास्ते से हटाया है। इस पूरे मामले में पत्नी सना खान का कहना है कि रिजवान अली शराब के आदी थे। पिछले कई दिनों से उसकी तबियत खराब चल रही थी। इलाज भी कराया जा रहा था। सूचना पर पहुंची मदेयगंज थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। मामले में पिता राशिद अली ने पुलिस को शिकायत दी है। उनका आरोप है कि 3 साल से बहू बेटे को स्लो प्वाइजन दे रही थी। स्लो प्वाइजन देकर उसने बेटे की जान ले ली। बेटे की मौत के 6 घंटे बाद उसने सूचना दी। पुलिस का कहना है कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के असली कारणों का पता चलेगा। तहरीर के आधार पर जांच की जा रही है।

अस्पताल की चौथी मंजिल से गिरी महिला परिजनों ने हॉस्पिटल में जमकर हंगामा किया

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ में एक प्राइवेट हॉस्पिटल की चौथी मंजिल से गिरकर महिला मरीज की मौत हो गई। इसके बाद परिजनों ने हॉस्पिटल में जमकर हंगामा किया। उन्होंने अस्पताल प्रशासन पर आरोप लगाया कि महिला की हत्या की गई है। वहीं, अस्पताल की ओर से कहा गया है कि महिला ने कूदकर सुसाइड किया है। पूरा मामला बंथरा थाना क्षेत्र के जुनाबगंज स्थित प्रसाद हॉस्पिटल का सोमवार सुबह का है। मृतक महिला की पहचान बंथरा के किशुनपुर कौड़िया निवासी सीता दीक्षित (32) के रूप में हुई है। पति अभय दीक्षित रोडवेज में संविदा पर बस ड्राइवर हैं। छुट्टी वाले दिन वह इलाके में ऑटो चलाते हैं। बताया जा रहा है कि सीता दीक्षित का पिछले कुछ समय से मानसिक स्वास्थ्य ठीक नहीं था और उनका इलाज प्रसाद हॉस्पिटल में चल रहा था। बीते रविवार को फिर से भर्ती कराया गया था। सुबह डेडबॉडी अस्पताल के बाहर डेडबॉडी मिली। इसके बाद अस्पताल में परिजनों ने हंगामा कर दिया। बताया जा रहा है कि सीता दीक्षित एक दिन पहले रविवार को तबीयत खराब होने पर खुद ही हॉस्पिटल पहुंची। पति अभय को सूचना मिली तो वह भी हॉस्पिटल गए। सीता को जनरल वार्ड में चौथी मंजिल पर भर्ती किया गया। रात में अभय भी वार्ड में ही रुके हुए थे। तड़के करीब 3 बजे अभय को झपकी लग गई। इसके बाद सीता कमरे से निकलकर कहीं चली गई। सुबह करीब 6 बजे सीता जनरल वार्ड के सामने नीचे जमीन पर बेसुध पड़ी मिली। इसके बाद अभय को सूचना दी गई। जैसे ही पता चला कि सीता की मौत हो गई,

परिजनों ने मौके पर पहुंचकर हंगामा कर दिया। अस्पताल प्रशासन ने चौथी मंदिर से कूदकर उसके आत्महत्या करने की बात कही। इस दौरान सीसीटीवी फुटेज चेक किए गए तो तड़के 4 बजे सीता जनरल वार्ड के कमरे से बाहर निकलते नजर आई। साथ ही उसकी चप्पलें नीचे गिरती दिखीं, लेकिन सीता गिरती नहीं दिखाई दी। परिजन आरोप लगा रहे हैं कि अस्पताल के कर्मचारियों ने ही कुछ किया है। अगर वह चौथी मंजिल से कूदी है तो खून जरूर निकला होगा। अगर खून निकला है तो घटनास्थल पर खून के निशान क्यों नहीं मिले? हंगामे की सूचना पर पुलिस बल भी अस्पताल पहुंच गया।

सांसद खेल महाकुंभ का शुभारंभ रक्षा मंत्री ने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

राजधानी लखनऊ में केडी सिंह बाबू स्टेडियम में 'सांसद खेल महाकुंभ 2026' का शुभारंभ सोमवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने किया। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया। इस अवसर पर खिलाड़ियों ने रक्षा मंत्री के सामने खेलों की प्रस्तुति दी। इस मौके पर रक्षा मंत्री ने कहा कि देश के विकास का पैमाना केवल जीडीपी नहीं, बल्कि खेलों में प्रदर्शन भी है। ऑस्ट्रेलिया का उदाहरण देते हुए उन्होंने समाज में खेलों के प्रति जुनून और खिलाड़ियों के सम्मान बढ़ाने पर जोर दिया। भरोसा दिलाया कि यह प्रतियोगिता हर वर्ष और भी बेहतर स्वरूप में आयोजित होती रहेगी। इस मौके पर मंत्री गिरीश चंद्र यादव ने कहा कि अब प्रदेश में खेल केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि रोजगार की गारंटी है। ओलंपिक, एशियन गेम्स या विश्व चैंपियनशिप में पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को सीधे सरकारी सेवा में नियुक्त किया जाएगा। ललित उपाध्याय और अर्जुन देशवाल जैसे खिलाड़ियों को DSP बनाया जा चुका है। अन्य को क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी नियुक्त किया गया है। उन्होंने कहा कि पदक विजेताओं की इनामी राशि में दो से चार गुना तक की वृद्धि की गई है। पुलिस विभाग में 500 से अधिक भर्तियां हो चुकी हैं। मंत्री ने 'खेलोगे कूदोगे होगे खराब' की पुरानी कहावत को नकारते हुए 'खेलेगा यूपी, बढ़ेगा यूपी' का नया मंत्र दिया। इस मौके पर उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और खेल मंत्री गिरीश चंद्र यादव, मेयर सुषमा खर्कवाल, विधायक योगेश शुक्ला, ओपी श्रीवास्तव,नीरज बोरा व अन्य भाजपा नेता मौजूद रहे।

चोरों ने दो शोरूमों को निशाना बनाया

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ गुडंबा और मड़ियांव थाना क्षेत्र में देर रात चोरों ने दो शोरूमों को निशाना बनाया। गुडंबा इलाके में सेनेटरी की दुकान में छत के रास्ते घुसे चोरों ने करीब 22 लख रुपए का सामान व नगदी पार कर दी। मड़ियांव में सुपरमार्ट का शटर काटकर चोरी की। पीड़ितों की शिकायत पर मुकदमा दर्ज किया गया है। गुडंबा निवासी आदित्य कल्याणपुर रिंग रोड पर अवध सैनिटरी स्टोर नाम से दुकान चलाते हैं। उन्होंने बताया रविवार रात करीब 8:30 बजे दुकान बंद करके घर चले गए थे। सोमवार सुबह जब स्टाफ दुकान खोलने पहुंचा तो अंदर सामान अस्त-व्यस्त मिला। ऑफिस में रखा 8 लाख 54 हजार गायब थे। 50 हजार रुपए की नोटों की एक गड्डी जमीन पर गिरी थी। अंदर सामान बिखरा पड़ा था। स्टोर में रखा सेनेटरी से जुड़ा महंगा आइटम भी गायब था, जिसकी कीमत करीब 13 से 14 लाख रुपए है। चोर सीसीटीवी का डीवीआर और वाईफाई राउटर भी उखाड़ ले गए। चोर पीछे खाली पड़े मकान से सीढ़ी लगाकर ऊपर चढ़े। पीड़ित ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस व डॉग स्क्वायड ने घटनास्थल का निरीक्षण किया।मामले में इंस्पेक्टर गुडंबा अंजनी मिश्रा का कहना है मुकदमा दर्ज करके अज्ञात चोरों की तलाश शुरू कर दी गई है। मड़ियांव इलाके में दिलीप राजपूत की अनमोल सुपरमार्ट नाम से दुकान है।

महापुरुषों को पढ़ो, तभी मिलेगा मुक्ति का रास्ता" – लखनऊ में चंद्रशेखर आजाद का बड़ा संदेश

लखनऊ के अटल बिहारी साइंटिफिक कन्वेंशन सेंटर में संविधान निर्माता डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित पिछड़ा वर्ग सम्मेलन को संबोधित करते हुए आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व सांसद चंद्रशेखर आजाद ने डॉ. आंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की और कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने भीड़ को नियंत्रित करने के लिए कहा कि आपके व्यवहार से आपके व्यक्तित्व का आकलन होता है। महापुरुषों को पूजने की नहीं पढ़ने की जरूरत है। बहुजन समाज ने भी महापुरुषों को पूजना शुरू कर दिया है। उन्हें पढ़कर मुक्ति का रास्ता मिल सकता है। राष्ट्रपिता ज्योतिबा फुले का कार्यक्रम दो दिन पहले करना था लेकिन हाल खाली नहीं था इसलिए दो दिन बाद किया। जो लोग मुझसे प्यार करते हैं। वे इन लोगों को जरूर पढ़ें वरना आंदोलन से नहीं जुड़ पाओगे। उन्होंने कहा कि महापुरुषों की फेहरिस्त में वीपी सिंह का नाम भी शामिल करता हूं।सांसद ने कहा कि उत्तर प्रदेश में 25 जनवरी को चर्चा हुई कि आजाद समाज पार्टी युवाओं और क्षेत्र की पार्टी है। जवाब देने के लिए तय हुआ कि 18 मंडलों में प्रबुद्ध जन

सम्मेलन करेंगे। पहला कार्यक्रम सहारनपुर और आखिरी प्रयागराज में हुआ। इससे दूसरे दलों की नींद खुल गई। सभी ने कार्यक्रम शुरू कर दिए हैं। इनमें बुजुर्गों ने भारी संख्या में हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि आज नेता और पार्टी का सम्मान नहीं बचा है। नेता पैसे लेकर बुलाते हैं लेकिन फिर भी हाल नहीं भर पाता है। हमने लखनऊ में मुस्लिम समाज की समस्याओं को लेकर कार्यक्रम किया। दूसरों को मुसलमान का नाम लेने पर करेंट लगता है। समस्या का समाधान कर दिया तो बहुतों की राजनीति खत्म हो जाएगी। उन्होंने कहा कि अभी बहुजन समाज के दूसरे दलों के लोगों का कार्यक्रम था इसलिए मैंने अपना कार्यक्रम आगे बढ़ा दिया। लोगों ने कहा कि मैं डर गया। मैं किसी से डरता नहीं हूं। आप लोग वर्ण व्यवस्था के बारे में पढ़िए। जातियां इंसानों में नहीं हो सकती। केवल नाम से जाति की पहचान आप नहीं कर सकते।

ट्रांस गंगा सिटी में प्लॉट की मांग को लेकर उन्नाव में किसानों का आंदोलन तेज

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव के ट्रांस गंगा सिटी क्षेत्र में किसानों द्वारा निःशुल्क प्लॉट उपलब्ध कराने की मांग को लेकर आंदोलन तेज होता जा रहा है। इसी क्रम में ग्राम शंकरपुर सराय स्थित किसान कार्यालय पर प्लॉट आवंटन निगरानी समिति की अहम बैठक आयोजित की गई, जिसमें बड़ी संख्या में किसान शामिल हुए और अपनी समस्याओं को खुलकर सामने रखा।बैठक को संबोधित करते हुए किसान आंदोलन के प्रदेश संयोजक अजय अनमोल ने कहा कि ट्रांस गंगा सिटी में किसानों को निःशुल्क प्लॉट मिलने से उनके जीवन स्तर में व्यापक सुधार होगा। उन्होंने बताया कि इस मुद्दे को लेकर वे लगातार शासन और प्रशासन के संपर्क में हैं। हाल ही में उन्होंने राजभवन में राज्यपाल से मुलाकात कर किसानों की समस्याओं से अवगत कराया, वहीं लखनऊ में यूपी सीडा (U P S I D C) के वरिष्ठ अधिकारियों से भी वार्ता कर प्रक्रिया को शीघ्र पूरा करने की मांग की।अजय अनमोल ने जानकारी दी कि वर्ष 2014 में ही किसानों के हित में शासनादेश जारी किया जा चुका है, जिसमें प्रभावित किसानों को सिटी क्षेत्र में निःशुल्क प्लॉट देने का प्रावधान है। इसके बावजूद अब तक आवंटन प्रक्रिया में हो रही देरी किसानों में असंतोष पैदा कर रही है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि जब तक सभी 1580 किसान परिवारों को उनका अधिकार नहीं मिल जाता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।उन्होंने यह भी कहा कि यह केवल जमीन का मुद्दा नहीं, बल्कि किसानों के सम्मान और उनके भविष्य से जुड़ा विषय है। यदि समय रहते इस पर निर्णय नहीं लिया गया, तो किसान बड़े स्तर पर आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे। बैठक में किसानों ने एकजुटता दिखाते हुए संघर्ष को और तेज करने का संकल्प लिया।इस दौरान किसानों ने अजय अनमोल का जोरदार स्वागत किया और उनके प्रयासों की सराहना की। बैठक में यह निर्णय भी लिया गया कि प्लॉट आवंटन निगरानी समिति की साप्ताहिक बैठक हर रविवार को आयोजित की जाएगी, जिसमें आवंटन प्रक्रिया की समीक्षा की जाएगी और आगे की रणनीति तय होगी।इस अवसर पर जिला महासचिव प्रदीप निषाद, जिला उपाध्यक्ष सुभाष राजपूत, जिला सचिव करन त्रिवेदी, तहसील अध्यक्ष कल्याण सिंह राजपूत और संगठन सचिव लल्लन शर्मा सहित कई किसान नेता मौजूद रहे।बैठक के अंत में किसानों ने प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जल्द ही ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो वे बड़े स्तर पर धरना-प्रदर्शन और आंदोलन करेंगे। साथ ही, गांव-गांव जाकर अन्य किसानों को भी इस मुहिम से जोड़ने का निर्णय लिया गया, ताकि आंदोलन को और व्यापक बनाया जा सके।

बस ओवरटेक करते समय डंपर में टकराई बाइक, दो दोस्तों की मौत

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

फतेहपुर चौरासी थानाक्षेत्र के सराय गांव निवासी संजीत (25), दर्शनखेड़ा निवासी शैलेंद्र (22) के साथ लुधियाना में मजदूरी करते थे। दोनों रविवार सुबह लुधियाना से घर लौटे थे और शाम 3:30 बजे हरदोई के मल्लावां निवासी दोस्त की शादी समारोह में शामिल होने के लिए बाइक से निकले थे। उन्नाव-हरदोई मार्ग पर नारेखेड़ा पुलिया के पास पहुंचते ही बस को ओवरटेक करते समय बांगरमऊ से कालीमिट्टी की ओर आ रहे डंपर में बाइक सीधे भिड़ गई। घटना में दोनों गंभीर घायल हो गए। राहगीरों की सूचना पर पुलिस एंबुलेंस से दोनों को सीएचसी फतेहपुर चौरासी लाई, यहां डॉक्टर ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। थानाध्यक्ष ज्ञानेंद्र कुमार ने बताया कि दोनों शव पोस्टमार्टम के लिए भेजे गए हैं। डंपर कब्जे में है, घटना के बाद चालक भाग निकला, उसका पता लगाया जा रहा है। तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। संजीत के पिता रामशंकर ने बताया कि दोनों हरदोई के मल्लावां में रहने वाले दोस्त के शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे। रामशंकर के मुताबिक दोनों में अच्छी दोस्ती थी। संजीत की मौत से मां फूलमती, पिता और अन्य भाई-बहन बेहाल हैं। संजीत छह भाई-बहनों में सबसे बड़े थे। वहीं शैलेंद्र की मौत से मां विमला, पिता और अन्य परिजन बेहाल हैं। वह तीन भाई-बहनों में सबसे बड़ा था। हादसे में जान गंवाने वाले दो दोस्तों की मौत की घटना में परिजन शव देख बदहवास हो गए। मौजूद लोगों ने उन्हें ढांढस बंधाया। परिजनों का कहना था कि अगर शादी में न जाना होता तो शायद दोनों बच्चे न आते।

बिजली उपभोक्ताओं के यहां स्मार्ट मीटर लगने के बाद बिल माइनस में पहुंच गया

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

शहर के 1101 बिजली उपभोक्ताओं के यहां स्मार्ट मीटर लगने और प्री-पेड बिलिंग शुरू होने के बाद बिल माइनस में पहुंच गया है। इन उपभोक्ताओं पर करीब 54 लाख का बकाया दिख रहा है। ऐसे में किसी भी समय इन लोगों के यहां की आपूर्ति बंद होने का खतरा बढ़ गया है। आरडीएसएस (रीवैंप डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर स्कीम) से सितंबर 2024 में स्मार्ट मीटर लगाने की शुरुआत हुई थी। शहरी क्षेत्र में 80 हजार उपभोक्ताओं में 29,524 हजार के यहां स्मार्ट प्रीपेड मीटर लग चुके हैं। 13 मार्च से प्रीपेड व्यवस्था लागू हो चुकी है। इसमें मोबाइल से रिचार्ज की व्यवस्था शुरू हुई है। इसमें निगेटिव बैलेंस यानी माइनस में बिल होते ही लखनऊ में संचालित कंट्रोलरूम से ही स्वतः बिजली बंद हो जा रही है। वर्तमान में शहरी क्षेत्र में 1,101 ऐसे उपभोक्ता चिह्नित हुए हैं जिन पर करीब 54 लाख का बकाया है। इन सभी का बैलेंस माइनस में एक हजार से ऊपर हो गया है। अब ऐसे उपभोक्ताओं का किसी भी समय बिजली बंद होने का खतरा बढ़ गया है। माइनस बैलेंस होने पर किसी भी समय कनेक्शन बंद होने का खतरा होता है। स्थानीय स्तर पर आपूर्ति बंद होने से रोकने की कोई व्यवस्था नहीं है। यह लखनऊ कंट्रोलरूम से होता है। इसलिए उपभोक्ताओं से अपील है कि वह एक से दो दिन में अपना बिल जमा कर दें। ऐसा न करने पर बिजली आपूर्ति बंद हो सकता है। सदर विधायक पंकज गुप्ता ने स्मार्ट मीटर को लेकर फेसबुक पर पोस्ट करते हुए बिजली अधिकारियों को निशाने पर लिया है। इसमें लिखा है कि जिस स्मार्ट मीटर को सुविधा के लिए लगाया गया। वही आज जनता के लिए आफत बन गया है। लोग उनके पास आते हैं और बताते हैं कि पहले 800 रुपये बिल आता था, स्मार्ट मीटर लगते ही 3000 रुपये आ रहा है। न कोई समझाने वाला है और ना ही कोई सुनने वाला है। कनेक्शन बंद होने से रोकने के लिए रिचार्ज कराना होता है। अब गरीब मजदूर, किसान, निराश्रित महिलाएं क्या मोबाइल की तरह बिजली रिचार्ज कराएंगी या कर पाएंगी। पैसा न हुआ तो घरों में अंधेरा छा जाएगा। इसके अलावा नेटवर्क नहीं, मीटर के गलत रीडिंग देने और बैलेंस काट लेने की भी शिकायत आ रही हैं। बिजली अधिकारियों को निशाने पर लेते हुए लिखा कि एसी कमरों में बैठकर नीति बनाना आसान है पर जमीन पर उतरकर देखिए कि आपकी स्मार्ट व्यवस्था ने लोगों की नींद कैसे उड़ा दी है।

मसाला थूकने के दौरान संतुलन बिगड़ा, गंगा पुल पर चलती ट्रेन से युवक गिरा

उन्नाव में गंगा पुल के पास सोमवार दोपहर एक युवक चलती ट्रेन से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र में हुई, जिसके बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और लोगों की भीड़ जमा हो गई।घायल युवक की पहचान पूर्णिया (बिहार) निवासी मोहम्मद गुड्डू के रूप में हुई है। वह अपने साथियों के साथ मुजफ्फरपुर से सूरत जा रहा था और सूरत एक्सप्रेस ट्रेन में सवार था।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, युवक ट्रेन के दरवाजे पर खड़ा था और मसाला थूकने के लिए बाहर झुका हुआ था। इसी दौरान अचानक उसका संतुलन बिगड़ गया और वह तेज रफ्तार ट्रेन से नीचे गिर पड़ा। गिरने से युवक गंभीर रूप से घायल हो गया और पुल के पास पड़ा रहा। सूचना मिलते ही रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। घायल युवक को तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों द्वारा उसका उपचार किया जा रहा है। चिकित्सकों के अनुसार, युवक की हालत गंभीर बनी हुई है, और उसे बचाने के प्रयास जारी हैं। इस घटना के बाद रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि वे चलती ट्रेन में दरवाजे पर खड़े होकर यात्रा न करें और किसी भी प्रकार की लापरवाही से बचें। ऐसी असावधानी अक्सर जानलेवा साबित हो सकती है।

नारी शक्ति वंदन सम्मेलन के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण विकास खंड हाथरस में किया गया

हाथरस में "नारी शक्ति वंदन सम्मेलन" के तहत महिलाओं को सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता का संदेश दिया गया।कार्यक्रम में नरेंद्र मोदी के उद्बोधन का प्रसारण भी देखा गया, जिससे महिलाओं को प्रेरणा मिली।अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने महिला कल्याण योजनाओं की जानकारी देते हुए भागीदारी बढ़ाने पर जोर दिया।सम्मेलन में महिलाओं ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लेते हुए सशक्त समाज निर्माण का संकल्प लिया।

जनपद हाथरस के विकासखंड हाथरस में दिनांक 13 अप्रैल 2026 को महिला कल्याण, बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग द्वारा "नारी शक्ति वंदन सम्मेलन" के सजीव कार्यक्रम के प्रसारण का आयोजन मा0 ब्लॉक प्रमुख श्रीमती पूनम पांडेय की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। इस सम्मेलन का उद्देश्य महिलाओं को सशक्त बनाना, उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना तथा आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रेरित करना रहा।कार्यक्रम में मा0 प्रधानमंत्री जी के कार्यक्रम का ऑनलाइन प्रसारण देखते हुए उनका उद्बोधन सुना गया, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों यथा शिक्षा, कला, चिकित्सा, खेल, कला एवं संस्कृति के क्षेत्रों से महिलाएं उपस्थित रही।मा0 ब्लॉक प्रमुख महोदया ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि समाज के विकास में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है और उनके सशक्तिकरण के बिना समग्र विकास संभव नहीं है। उन्होंने सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न महिला कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी और अधिक से अधिक महिलाओं को इन योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में उपस्थित जिला विकास अधिकारी श्री पी0एन0यादव द्वारा उपस्थित महिलाओं को प्रेरित करते हुए कहा गया कि समस्त महिलाओं को स्वयं तथा अपने समाज को सशक्तिकरण की दिशा में बढ़ने के लिए हर संभव प्रयास किए जाने चाहिए।जिला प्रोबेशन अधिकारी सीमा मौर्य ने उपस्थित महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि हमें अभी भी अनेक क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ाने हेतु दिशा प्रदान करनी चाहिए।कार्यक्रम में जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री धीरेंद्र उपाध्याय ने उपस्थित महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि समस्त महिलाएं अपने क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करती है अतः वे यह सुनिश्चित करने कि उनके क्षेत्र में कोई भी महिला किसी भी प्रकार के अभाव से ग्रस्त ना रहे महिलाओं को आगे बढ़ाने तथा विभिन्न क्षेत्रों में उनकी भागीदारी हेतु विशेष प्रयास किया गया।इस अवसर पर मा0 अतिथिगणों द्वारा दो गर्भवती महिलाओं को पोषण पोटली वितरित करने के साथ ही एक बालिका का अन्नप्राशन भी कराया गया।विकासखंड हाथरस के खंड विकास अधिकारी ने उपस्थित अतिथिगणों को धन्यवाद ज्ञापित किया।सम्मेलन में स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने पर जोर दिया गया।कार्यक्रम में बड़ी संख्या में क्षेत्र की महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। अंत में सभी प्रतिभागियों ने महिला सशक्तिकरण के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया।यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

ब्यूरो चीफ दुष्यंत पचौरी हाथरस

जीजा ने कार से ससुरालवालों को कुचला 3 लोगों की मौत

उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जनपद में एक सनसनीखेज मामला सामने आया। यहां एक साली को लेकर भाग रहे कार सवार जीजा को ससुरालियों ने रोकने का प्रयास किया तो कार सवार जीजा ने ससुरालियों पर कार चढ़ाकर साले सहित 3 को मौत के घाट उतार दिया और 4 लोग गंभीर रूप से घायल हैं।घटना से पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। बताते हैं कि एक सप्ताह पहले आरोपी दीपक सोनी अपनी नाबालिग चचेरी साली को भगाकर ले गया था। मामले में रविवार शाम चौकी में पंचायत हुई लेकिन कोई समझौता नहीं हो सका। पंचायत के बाद दीपक, साली को कार में ले जा रहा था, जिसे ससुरालियों ने रोकने की कोशिश की। पीछा कर रहे ससुरालियों ने कोरवां के पास कार रोकने का प्रयास किया। इस दौरान दीपक ने तेज रफ्तार में कार चढ़ा दी, जिससे साले सहित 3 लोगों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान अन्नू सोनी (35) और अवध बिहारी सोनी (23) और सत्यवान सोनी (30) रूप में हुई। परिजनों ने बताया कि दीपक अपनी साली की शादी अपने सगे साले सत्यवान सोनी के साले से करना चाहता था जिसको लेकर एक सप्ताह पहले दीपक अपनी साली को लेकर अपने गांव चला गया था और वहीं दोनों की शादी करवा दी। इसको लेकर विवाद चल रहा था। मामले में चौकी में समझौता करने दोनों पक्षो के लोग गए थे लेकिन समझौता नहीं हो सका। वहीं घटना के बाद मौके पर पुलिस अधीक्षक भारी पुलिस बल कर साथ पहुंचे और 3 टीमें गठित कर जांच शुरू कर दिया। इस घटना में जो चार लोग घायल हुए हैं, उसमें ममता देवी को गंभीर हालत में जिला अस्पताल फतेहपुर रेफर कर दिया गया।

अखिलेश यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश में अन्याय अपनी चरम सीमा पर पहुंच गया

समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव ने 13 अप्रैल को नोएडा फेज 2 में कर्मचारियों द्वारा किए गए हिंसक विरोध प्रदर्शन के लिए भाजपा सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में अन्याय अपनी चरम सीमा पर पहुंच गया है। पत्रकारों को संबोधित करते हुए यादव ने कहा कि भाजपा सरकार के शासन में अन्याय चरम पर पहुंच गया है। हर तरह का अन्याय हो रहा है। आर्थिक अन्याय हो रहा है। बढ़ती महंगाई से अन्याय हो रहा है। बढ़ती बेरोजगारी से अन्याय हो रहा है। आज हमने नोएडा में जो देखा, उसमें मजदूर बड़े पैमाने पर अपने अधिकारों की मांग कर रहे थे।अखिलेश यादव ने इन घटनाओं के लिए प्रशासन और राज्य सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि पूरी जिम्मेदारी प्रशासन और सरकार की है। वेतन असमानता पर चिंता जताते हुए यादव ने आगे कहा कि जब अन्य राज्यों में श्रमिकों के वेतन बढ़ाए गए, तो उत्तर प्रदेश सरकार ने राहत क्यों नहीं दी? यह घटना नोएडा के फेज 2 स्थित होजरी कॉम्प्लेक्स के श्रमिकों द्वारा वेतन वृद्धि की मांग को लेकर किए गए प्रदर्शन से संबंधित है। प्रदर्शन हिंसक हो गया, जिसमें प्रदर्शनकारियों ने कथित तौर पर वाहनों और संपत्ति में तोड़फोड़ की और पुलिस पर पत्थर फेंके। बताया जाता है कि अशांति के दौरान एक कार में आग लगा दी गई। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए अधिकारियों ने भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया। 12 अप्रैल को, नोएडा की जिला मजिस्ट्रेट मेधा रूपम ने श्रमिकों के अधिकारों से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करने के लिए प्रधान सचिव (श्रम) और उत्तर प्रदेश के श्रम आयुक्त के साथ बैठक की।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बोले- प्रदेश में अशांति फैलाने की हो रही साजिश

योगी ने श्रमिकों से भी अपील करते हुए कहा कि मैं सभी कर्मचारियों और मजदूरों से अपील करता हूं, डबल इंजन वाली सरकार हमेशा आपके साथ खड़ी है, साथ ही उन्होंने याद दिलाया कि कोविड काल के दौरान श्रमिकों को सरकार द्वारा व्यवस्थित वाहनों का उपयोग करके घर पहुंचाया गया था। दूसरी ओर उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने नोएडा में श्रमिकों के विरोध प्रदर्शन से निपटने के तरीके को लेकर राज्य सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि मदरसन ग्रुप की फैक्ट्री के बाहर के दृश्य चिंताजनक थे। एक्स पर एक पोस्ट में राय ने कहा कि बढ़ती महंगाई और कथित वेतन शोषण श्रमिकों को सड़कों पर उतरने के लिए मजबूर कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि विज्ञापन खाली पेट नहीं भर सकते और आंसू गैस के गोले भूख मिटा नहीं सकते। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से बल प्रयोग करने के बजाय श्रमिकों की मांगों को पूरा करने का आग्रह किया। वेतन वृद्धि की मांग को लेकर फैक्टरी कर्मियों द्वारा किया जा रहे प्रदर्शन के दौरान सोमवार को जमकर हिंसा हुई औरनोएडा के फेज-2 और सेक्टर-60 इलाकों में वाहनों में आग लगा दी गई, संपत्ति को नुकसान पहुंचाया गया और पथराव की घटनाएं सामने आईं। पुलिस ने यह जानकारी दी। प्रदर्शन के कारण यातायात ठप हो गया, जिससे सुबह के व्यस्त समय में दिल्ली जाने वाली विभिन्न सड़कों पर हजारों यात्री फंस गए। दिल्ली-नोएडा सीमा पर कई किलोमीटर तक वाहनों की लंबी कतारें देखी गईं। अधिकारियों ने बताया कि गौतम बुद्ध नगर आयुक्तालय के अंतर्गत औद्योगिक क्षेत्रों में पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित की गई है।